2018

M.A.

Semester –IV

HINDI

PAPER–404

Subject Code—05

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answer wherever necessary

Group–A- प्रेमचंद

प्रेमचंद (विशेष अध्ययन का पत्र)

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

क) अगर मैंने दुनिया ज्यादा देखी होती तो तुम्हें अपने घर न आने देती। कम-से-कम तुम पर उनकी निगाह कभी न पड़ने देती, लेकिन क्या यह जानती थी कि पुरुषों के मुँह में कुछ और मन में कुछ और होता है ?

ख) उसकी आशाओं का आधार जड़ से कट गया, वह फूट-फूट कर रोने लगी । ईश्वर! तुमसे इतना भी न देखा गया ? मुझ दुखिया को तुमने यों ही अपंग बना दिया था, अब आँखें भी फोड़ दी । अब वह किसके सामने हाथ फैलायेगी, किसके द्वारा पर भी भीख माँगेगी ।

ग) हमने तो तुम्हारी सेवा करने में कोई कसर नहीं उठी रखी । अगर इतनी मेहनत से काम न चलता था और काम ले लेते । हमें तो तुम्हारी चाकरी में मर जाना कबूल था । हमने कभी दाने-चारे की शिकायत नहीं की । तुमने जो कुछ खिलाया, वह सिर झुकाकर खा लिया, फिर तुमने हमें इस जालिम के हाथ क्यों बेच दिया ?

घ) नगर में कोई उपद्रव न होने पावे । मैं उस समय तक किसी से न बोलूंगा, जब तक कोई मुझे क्लेश न पहुँचाएगा ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×2

क) 'रंगभूमि' में व्यक्त राष्ट्रीय-चेतना पर प्रकाश डालिए ।

ख) 'सवासेर गेहूँ' की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए ।

ग) प्रेमचंद की साहित्य संबंधी अवधारणा को सोदाहरण विवेचित कीजिए ।

घ) 'कर्बला' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

Group–B निराला

निराला (विशेष अध्ययन-पत्र)

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

क) दृढ़ जटा-मुकुट हो विपर्यस्त प्रतिलट से खुल
फैला पृष्ठ पर, बाहुओं पर, वक्ष पर, विपुल
उतरा ज्यों, दुर्गम पर्वत पर नैशान्धकार,
चमकतीं दूर ताराएँ ज्यों हो कहीं पार ।

ख) जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, आओ आओ !
आज अमीरों की हवेली
किसानों की होगी पाठशाला,
धोबी, पासी चमार, तेली
खोलेंगे, अंधेरे का ताला,
एक पाठ पढ़ेंगे, टाट बिछाओ ।

ग) जिस तरह बाह्य भूमि में इस प्रकार के शासक और शासित रहते हैं, उसी तरह साहित्य की भूमि में भी रहते । कारण, साहित्य किसी जाति की ही साहित्य हुआ करता है और यदि वह किसी दुर्बल जाति का हुआ तो दूसरी सबल जाति का उस पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक हो जाता है ।

घ) देश में शुल्क लेकर शिक्षा देनेवाले बड़े-बड़े विश्वविद्यालय हैं । पर इस बच्चे का क्या होगा ? इसके भी माँ है । वह देश की सहानुभूति का कितना अंश

पाती है – हमारी थाली की बची रोटियाँ, जो कल तक कुत्तों को दी जाती थीं। यही, यही हमारी सच्ची दशा का चित्र है ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) 'कुल्ली भाट' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

ख) 'हमारे साहित्य का ध्येय' निबंध की मूल स्थापनाओं को विवेचित कीजिए ।

ग) निराला की प्रगतिशील चेतना पर विचार कीजिए ।

घ) 'भक्त और भगवान' कहानी का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

—o—